अमर भारती
एक उम्मीद
04 प्रदेश, 06 संस्करण
लखनऊ, वर्ष: 14, अंक: 19, पृष्ठ: 12, मूल्य: 03 रु. RNI No. UPHIN/2011/46455 www.amarbharti.com
बुधवार, 15 जनवरी 2025, शक सम्वत् 1946, माघ कृष्ण पक्ष द्वितीया, विक्रम सं

# आलू की फसल में पिछेती झुलसा रोग की प्रबल संभावना: डॉ. अजय

**कानपुर (अमर भारती ब्यूरो)।** सीएसए के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर के फसल सुरक्षा वैज्ञानिक एवं केंद्र के प्रभारी डॉक्टर अजय कुमार सिंह ने आलू फसल में पिछेती झुलसा रोग के प्रबंधन हेतु एडवाइजरी जारी की है। वैज्ञानिकों का दावा है कि मौसम की अनुकूलता के आधार पर जनपद में आलू की फसल में पिछेती झुलसा रोग आने की प्रबल संभावना है। डॉ सिंह ने बताया कि जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में आलू की फसल उगाई जाती है। यहां का आलू सब्जी एवं चिप्स आदि हेतु प्रयोग होता है। ऐसे में यहां पर यदि बीमारी आलू फसल में आई तो किसानों को काफी नुकसान उठाना पड़ सकता है। उन्होंने बताया कि जिन क्षेत्रों में अभी झुलसा रोग नहीं आया है, वहां पर पहले ही मेंकोजेब, प्रोपीनेजब, कलोरो थेलोनील दवा का .25 प्रतिशत प्रति हजार लीटर की दर से छिड़काव तुरंत करें। इसके अलावा जिन क्षेत्रों में यह बीमारी आलू में लग चुकी है उनमें साइमोक्सेनिल, मेंकोजेब या फिनेमिडोन मैंकोजेब दवा को 3.0 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें, उन्होंने सलाह दी है कि घोल में स्टिकर अवश्य डालें।

कान्ति
न

के धागे से
विकास

ी संख्या में
ेच रहे हैं।
पर पर्यावरण
6 की धारा
क की सजा
जुर्माना व
C) की धारा
का उल्लंघन)
की सजा या
पशु क्रूरता
60 की धारा
क का जुर्माना
प्रावधान है।
र्रवाई भी है।
पुलिस की
पर तुरंत
है।

# शासन की प्रा

अमर भारती

**जौनपुर, बदलापुर।** जिलाधिकारी डॉ. योगि
सोमवार को तहसील
एसडीएम के पद पर का
किया। उन्होंने पदभार ग्र
तहसील के विभिन्न
निरीक्षण किया।और स
आवश्यक दिशा निर्देश
कहा कि काम में शि
लापरवाही कत्तई बर्दाश
जाएगी। एसडीएम डॉ
ने प्रेस वार्ता में बताया
की प्राथमिकताओं का
पालन करना उनका प

# ट्रैक्टर ट्राली अ

**आजमगढ़ (अमर**
ट्राली और ऑटो रिक
की जानकारी मिलते
कराई, जहां दो लोगों
चौहान के बहनोई में
निधन हो गया था। नि
भाभी आशा देवी औ
में शामिल होने के लि
से तेज रफ्तार से अ
कि ऑटो के परखच्चे
ऑटो से दब गए। घ
ट्रैक्टर ट्राली छोड़कर

# आलू फसल में पिछेती झुलसा रोग की प्रबल संभावना, प्रबंधन आवश्यक

कानपुर, 14 जनवरी। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर के फसल सुरक्षा वैज्ञानिक एवं केंद्र के प्रभारी डॉ. अजय कुमार सिंह ने आलू फसल में पिछेती झुलसा रोग के प्रबंधन के लिए एडवाइजरी जारी की है। वैज्ञानिकों का दावा है कि मौसम की अनुकूलता के आधार पर जनपद में आलू की फसल में पिछेती झुलसा रोग आने की प्रबल संभावना है। डॉ सिंह ने बताया कि जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में आलू की फसल उगाई जाती है। यहां का आलू सब्जी एवं चिप्स आदि हेतु प्रयोग होता है। ऐसे में यहां पर यदि बीमारी आलू फसल में आई तो किसानों को काफी नुकसान उठाना पड़ सकता है। उन्होंने बताया कि जिन क्षेत्रों में अभी झुलसा रोग नहीं आया है, वहां पर पहले ही मेंकोजेब, प्रोपीनेजब, कलोरोथेलोनील दवा का .25 प्रतिशत प्रति हजार लीटर की दर से छिड़काव तुरंत करें। इसके अलावा जिन क्षेत्रों में यह बीमारी आलू में लग चुकी है उनमें साइमोक्सेनिल, मेंकोजेब या फिनेमिडोन मैंकोजेब दवा को 3.0 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें, उन्होंने सलाह दी है कि घोल में स्टिकर अवश्य डालें। जिससे दवा पत्तियों पर चिपक जाए।उन्होंने किसानों से कहा है कि वह इस प्रक्रिया को 10 दिन में दोहरा सकते हैं। डॉ सिंह ने किसानों को एडवाइजरी जारी करते हुए कहा है कि वह फसलों में जरूरत से अधिक कीटनाशक का उपयोग न करें।

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्षः 16 अंक : 204 कानपुर, बुधवार 15 जनवरी 2025 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्यः 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

# आलू फसल में पिछेती झुलसा रोग की प्रबल संभावना : डॉ अजय सिंह

कानपुर । सीएसए के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर के फसल सुरक्षा वैज्ञानिक एवं केंद्र के प्रभारी डॉक्टर अजय कुमार सिंह ने आलू फसल में पिछेती झुलसा रोग के प्रबंधन हेतु एडवाइजरी जारी की है।वैज्ञानिकों का दावा है कि मौसम की अनुकूलता के आधार पर जनपद में आलू की फसल में पिछेती झुलसा रोग आने की प्रबल संभावना है। डॉ सिंह ने बताया कि जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में आलू की फसल उगाई जाती है। यहां का आलू सब्जी एवं चिप्स आदि हेतु प्रयोग होता है। ऐसे में यहां पर यदि बीमारी आलू फसल में आई तो किसानों को काफी नुकसान उठाना

पड़ सकता है। उन्होंने बताया कि जिन क्षेत्रों में अभी झुलसा रोग नहीं आया है, वहां पर पहले ही मेंकोजेब, प्रोपीनेजब, कलोरोथेलोनील दवा का .25 प्रतिशत प्रति हजार लीटर की दर से छिड़काव तुरंत करें। इसके अलावा जिन क्षेत्रों में यह बीमारी आलू में लग चुकी है उनमें साइमोक्सेनिल, मेंकोजेब या फिनेमिडोन मैंकोजेब दवा को 3.0 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें, उन्होंने सलाह दी है कि घोल में स्टिकर अवश्य डालें। जिससे दवा पत्तियों पर चिपक जाए।उन्होंने किसानों से कहा है कि वह इस प्रक्रिया को 10 दिन में दोहरा सकते हैं। डॉ सिंह ने किसानों को एडवाइजरी जारी करते हुए कहा है कि वह फसलों में जरूरत से अधिक कीटनाशक का उपयोग न करें।

महानगर
वर्ष-4, अंक-118, पृष्ठः 17
मूल्यः एक रुपये
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
RNI/NO/UPHIN49792/16/4/2021
सच की अहमियत
कानपुर | बुधवार, 15 जनवरी 2025 | कानपुर, लखनऊ, उत्तराखंड से एक साथ प्रकाशित
सूचना प्रसारण मंत्रालय एवं भारत सरकार द्वारा रजिस्टर्ड

# आलू फसल में पिछेती (झुलसा) रोग की प्रबल संभावना : डॉ अजय सिंह

पंकज अवस्थी, सच की अहमियत

**कानपुर।** सीएसए के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर के फसल सुरक्षा वैज्ञानिक एवं केंद्र के प्रभारी डॉक्टर अजय कुमार सिंह ने आलू फसल में पिछेती झुलसा रोग के प्रबंधन हेतु एडवाइजरी जारी की है।वैज्ञानिकों का दावा है कि मौसम की अनुकूलता के आधार पर जनपद में आलू की फसल में पिछेती झुलसा रोग आने की प्रबल संभावना है डॉ सिंह ने बताया कि जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में आलू की फसल उगाई जाती है यहां का आलू सब्जी एवं चिप्स आदि हेतु प्रयोग होता है ऐसे में यहां पर यदि बीमारी आलू फसल में आई तो किसानों को काफी नुकसान उठाना पड़ सकता है उन्होंने बताया कि जिन क्षेत्रों में अभी झुलसा रोग नहीं आया है, वहां पर पहले ही मेंकोजेब, प्रोपीनेजब, कलोरोथेलोनील दवा का .25 प्रतिशत प्रति हजार लीटर की दर से छिड़काव तुरंत करें इसके अलावा जिन क्षेत्रों में यह बीमारी आलू में लग चुकी है उनमें साइमोक्सेनिल, मेंकोजेब या फिनेमिडोन मैंकोजेब दवा को 3.0 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें, उन्होंने सलाह दी है कि घोल में स्टिकर अवश्य डालें जिससे दवा पत्तियों पर चिपक जाए उन्होंने किसानों से कहा है कि वह इस प्रक्रिया को 10 दिन में दोहरा सकते हैं। डॉ सिंह ने किसानों को एडवाइजरी जारी करते हुए कहा है कि वह फसलों में जरूरत से अधिक कीटनाशक का उपयोग न करें।

राष्ट्रीय सहारा
कानपुर • बुधवार • 15 जनवरी • 2025

# 'जरूरत से ज्यादा फसल में कीटनाशक न डाले किसान'

पुर(एसएनबी)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं
ोकी विश्वविद्यालय के अधीन संचालित कृषि विज्ञान
देलीप नगर के फसल सुरक्षा वैज्ञानिक एवं केंद्र के
डॉ. अजय कुमार सिंह ने आलू फसल में पिछेती
। रोग के प्रबंधन के लिये एडवाइजरी जारी की है।
कों का दावा है कि मौसम की अनुकूलता के आधार
नपद में आलू की फसल में पिछेती झुलसा रोग आने
वल संभावना है। डॉ.सिंह ने वताया कि जनपद के
न क्षेत्रों में आलू की फसल उगाई जाती है। यहां का
सब्जी एवं चिप्स आदि के लिये प्रयोग होता है। ऐसे में
ीमारी आलू की फसल में आई तो किसानों को काफी
ान उठाना पड़ सकता है। उन्होंने वताया कि जिन क्षेत्रों
भी झुलसा रोग नहीं आया है, वहां पर पहले ही
वेव, प्रोपीनेजव, कलोरोथेलोनील दवा का .25 प्रतिशत
ज़ार लीटर की दर से छिड़काव तुरंत करें। इसके
ा जिन क्षेत्रों में यह वीमारी आलू में लग चुकी है उनमें
क्सेनिल, मेंकोजेव या फिनेमिडोन मैंकोजेव दवा को
केलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें।
वताया कि घोल में स्टिकर अवश्य डालें। जिससे
त्तियों पर चिपक जाए।
उन्होंने किसानों से कहा है कि वह इस प्रक्रिया को 10

आलू के पत्तों में लगे कीड़े को दिखाते सीएसए के प्रो. अजय कुमार सिंह। फोटो : एसएनबी

दिन में दोहरा सकते है। डॉ.सिंह ने किसानों को एडवाइजरी जारी करते हुए कहा है कि वह फसलों में जरूरत से अधिक कीटनाशक का उपयोग न करें।

# यूपी मैसेंजर

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

upmessengerlucknow@gmail.com

15/01/2025


# आलू फसल में पिछेती झुलसा रोग की प्रबल संभावना : डॉ अजय सिंह

यूपी मैसेंजर संवादाता

कानपुर, सीएसए के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर के फसल सुरक्षा वैज्ञानिक एवं केंद्र के प्रभारी डॉक्टर अजय कुमार सिंह ने आलू फसल में पिछेती झुलसा रोग के प्रबंधन हेतु एडवाइजरी जारी की है।वैज्ञानिकों का दावा है कि मौसम की अनुकूलता के आधार पर जनपद में आलू की फसल में पिछेती झुलसा रोग आने की प्रबल संभावना है। डॉ सिंह ने बताया कि जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में आलू की फसल उगाई जाती है। यहां का आलू सब्जी एवं चिप्स आदि हेतु प्रयोग होता है। ऐसे में यहां पर यदि बीमारी आलू फसल में आई तो किसानों को काफी नुकसान उठाना पड़ सकता है। उन्होंने बताया कि जिन क्षेत्रों में अभी झुलसा रोग नहीं आया है, वहां पर पहले ही मेंकोजेब, प्रोपीनेजब, कलोरोथेलोनील दवा का .25 प्रतिशत प्रति हजार लीटर की दर से छिड़काव तुरंत करें। इसके अलावा जिन क्षेत्रों में यह बीमारी आलू में लग चुकी है उनमें साइमोक्सेनिल, मेंकोजेब या फिनेमिडोन मैंकोजेब दवा को 3.0 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें, उन्होंने सलाह दी है कि घोल में स्टिकर अवश्य डालें। जिससे दवा पत्तियों पर चिपक जाए।उन्होंने किसानों से कहा है कि वह इस प्रक्रिया को 10 दिन में दोहरा सकते हैं।